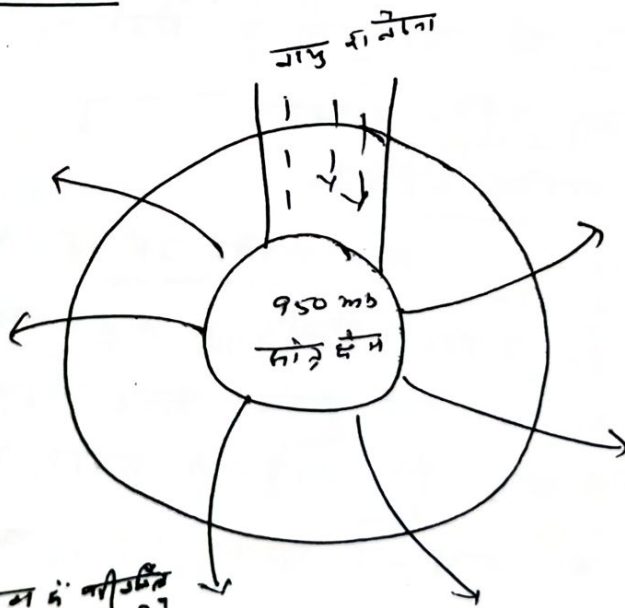


वायुराशि वायु बरु रुधर कबोरु मारु डे,
 जो बरु रुधर कबोरु पर नलवायु मारु वी रुधर कबोरु डे दास
 विरुधमान रहता डे, सारी कबोरु मं पर उच्च मारु चरी डे, फिकरी
 चार प्रमुल विरुधमान डेगी डे,

रुधर कबोरु ॥ रुधर मारु
 Barotropic Air -
 डे मी मी मी मी मी मी

- 1) रुधर कबोरु कीर रुधर मारु रेटुगुं साधानांतर डेगी डे, फिकरु
 Barotropic Air कहते डे, { Barotropic air बरु डे, जो मी
 मोदम परिवरुतु डे रहता डे,
 सारु लोरु वी रुधर बोरु वी प्रकृति रहती डे,
 सौमं वी रुधर कबोरु विरुधमानां वी कमुलु रहते
 डे, विरुधमानां वी नलक प्रकृति डेगी डे, चरु प्रवाड प्रवि-
 पकृति डेगी डे
- 2) वायुमंडल मं क्रांति वी कमी डेगी डे, फिकरु रुधर कबोरु
 क्रांति डेगी डे,

कौन रुधर वी रुधर वीरु
 वी प्रकृति रहती डे, 2)
 सारी विरुधमानां वी
 कमुलु रहते डे, फिकरु
 वी कबोरु उरुगी डे, 3)
 मारु क, रुधर कबोरु
 कबोरु.



वायुराशि HP → LP
 वायुराशि वी मी मी मी मी मी मी → रुधर कबोरु वी मी मी मी

वायुराशि उच्च मारु वं विरुध मानां वी नलक उरुगी-
 शील डेगी डे, जब चरु कबोरु सारु वी चोडरी डे वी
 उच्च कबोरु इतरु कबोरु मं रुधर कबोरु पापी जागी डे, लेरुत
 चरु रुधर कबोरु वी नलक कबोरु कबोरु डेगी डे, चरु
 जब चरु लरुगी रुधर नलक कट लेगी डे वी इकरु मी मी मी
 कबोरु मं परिवरुतु डेगी लगरु डे, लगी परिवरुतु विरुधमान

घटकों में नीचली परिवर्तन लागू है, ऐसी परिस्थिति में वायुराशिक दम या वायु में बदल जाती है, इनमें नीचली घटकों में परिवर्तन हां जाता है, प्रत्येक घटके परिवर्तन निम्नलिखित है -

रुग्णताय / रुग्णताय के कारण रुग्णताय तया रुग्णताय के कारण प्रत्येक का कारण लगती है, इनमें BeroClinic वायु का निर्माण होती है, जो नीचली परिवर्तन का सूचक है

वायुमंडलीय वायुमंडलीय घटकों में 1) सामान्यतः वायुराशिक के तापमान एवं आर्द्रता में बढ़ि होती है

2) वायुमंडलीय पीलीकणों में कमि (अधिक) ~~कमि~~ वायुमंडलीय वायु में लम्बे समय तक की प्रवृत्ति

3) वर्षा या इसकी संभावना में बढ़ि हां जाती है

इस प्रकार से जलवायु (वायुराशिक) कक्षा: नीचली घटकों में परिवर्तन रुग्णताय तया रुग्णताय के कारण नीचली घटकों में परिवर्तन हां होता है, जो

- 1) वायुमंडलीय परिवर्तन
- 2) जलवायु परिवर्तन

वायुमंडलीय परिवर्तन में वायुमंडलीय घटकों के

जलवायु के जल घटके है, जलवायु परिवर्तन में सबसे प्रमुख कारण वायुमंडलीय घटके है, वह जलवायु घटके ऊपर उठती है, और ऊपर की जलवायु नीचे उठने की प्रवृत्ति रखती है, इनमें प्रत्येक का वायुमंडलीय परिवर्तन होता है, अन्य कारणों वायुमंडलीय घटके हां जाता है

जलवायुमंडलीय वायुराशिक में परिवर्तन चार कारणों

पर आधारित -

- 1) जलवायुमंडलीय घटके
- 2) वायुराशिक के घटके
- 3) वायुमंडलीय घटके
- 4) वायुराशिक की अणु (जलवायुमंडलीय परिवर्तन)

कार्बन में है तो मरु और अति कार्बन में है तो सर्वाधिक परिवर्त होता है

जैविक वायुमयन कार्बन
जीवमंडलीय है, जहाँ
उच्च वायुमयन के कारण
वायु, नौमकी वायु
स्फटिक इकाई में
जीवमंडलीय है, जहाँ
अधी वनीकरण नौमकी
में जीवमंडलीय है

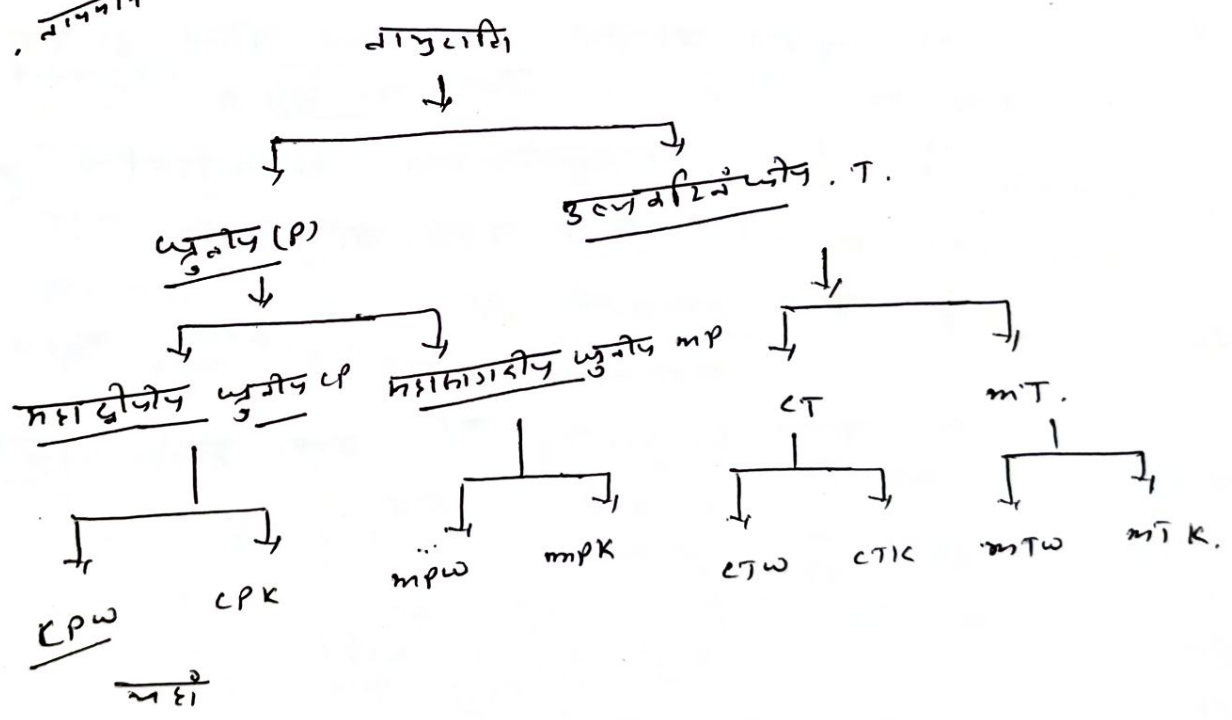
कार्बन: ऊपर 4 तब्यों से स्पष्ट है कि
जैविक वायुमयन कार्बन परिवर्तनीय है, जहाँ जीवमंडलीय
वायुमयन के सामान्य वायु नौमकी वायु या स्फटिक इकाई
में परिवर्तित कर देती है, जहाँ सभी परिवर्तित नौमकी
परिवर्तित होती है।

वर्गीकरण -

वायुमयन के वर्गीकरण का आधार

- i) आकार (प्लुविय, उच्च, अतिवृष्टीय)
- ii) उत्पत्ति (महादेशीय, महाद्वीपीय)
- iii) वायुमयन (ठंडा, ठंडी)

आधार -
आकार, उत्पत्ति, वायुमयन



CPW - महाद्वीपीय प्लुविय जहाँ वायुमयन
CPK - महाद्वीपीय प्लुविय ठंडी "

पुनः इन वायुमयन को फिर और अधिक वायु
राशियों में बांटा गया है, इस प्रकार कुल मिलकर 16 वर्ग वायु
जाय है, लेकिन सिद्ध और अस्थिर नौमकी विंग्रहणों के

सं जुड़े हैं, इकलियर कायकाल मौसम और
 जलवायु पैटर्न में इन्हें 8 उपवर्गों की वर्गीकरण किया है।

दक्षिणी गोलार्ध में जापान में अधीनस्थ
 विभाग में जीवमंडल के रूप में नती मिलता है, जबकि
 उत्तरी गोलार्ध में मौसमी परिवर्तन के रूप में उच्चतम
 या दक्षिणाग्र होना है जो कि मौसम विज्ञानियों
 ने अनुमानित 30 गोलार्धों की जाड़े की ऋतु में 4 महत्व-
 पूर्ण वायु प्रदूषण जलवायु गति ऋतु में मात्र 6 वायु प्रदूषण
 होते हैं -

1) आर्कटिक महाद्वीपीय वायुवाहिका CP.

उत्तरी अक्षांशों की लहरें, आलाहवा, काईबोर्ग, स्कैंडिनेविया, आर्कटिका,

2) आर्कटिक महाद्वीपीय वायुवाहिका MP, आर्कटिक सागर

3) युरोपीय महाद्वीपीय CP - मध्य एशिया, 20 अक्षांश, 30 W.A.

4) युरोपीय महाद्वीपीय MP - 30 अक्षांश, उत्तरीयुरोपीय
विस्तार के रूप में, दक्षिण सागर

5) उत्तरी महाद्वीपीय ET - मध्य, दक्षिण, अक्षांश 20 अक्षांश
महाद्वीपीय क्षेत्र

6) उत्तरी महाद्वीपीय ET - उत्तरी अक्षांश में
 30 अक्षांश में अक्षांश 30-35°

7) अक्षांश दक्षिणी

जहाँ ऋतु में आर्कटिक महाद्वीपीय जलवायु
 मिलता है जो कि है,

दक्षिणी गोलार्ध में वर्ष के उच्चतम या
 दक्षिणाग्र होना है जो कि आर्कटिक परिवर्तन होना है जो कि
 महाद्वीपीय प्रदूषण में।